परास्नातक कार्यक्रम

सत्रीय कार्य
(जुलाई, 2026 तथा जनवरी, 2027 सत्रों के लिए)

MSK-005 वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय संस्कृति और सभ्यता

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

परास्नातक कार्यक्रम
सत्रीय कार्य (2026—27)

पाठ्यक्रम कोड : MSK–005/2026–27

प्रिय छात्र/छात्राओं

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश :— सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दायें सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।

2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : ————————————

नाम : ———————————————

पता : ———————————————

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : ————————————

सत्रीय कार्य कोड : ————————————————

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : ——————————

दिनांक : ————————————

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. अध्ययन : सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढ़ग से व्यवस्थित कीजिए।

2. अभ्यास : उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए, और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. **प्रस्तुति :** जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ, तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजि,।

शुभकामनाओं के साथ।

नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है, अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जुलाई 2026 सत्र के लिए : 31 मार्च 2027

जनवरी 2027 सत्र के लिए : 30 सितंबर 2028

सत्रीय कार्य

MSK: 005 वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय संस्कृति और सभ्यता

पाठ्यक्रम कोड – MSK–005
पाठ्यक्रम शीर्षक – वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय संस्कृति और सभ्यता
सत्रीय कार्य – MSK – 005/TMA/2026–2027

पूर्णांक – 100

नोट – सभी प्रश्न अनिवार्य हैं : –

1. **अधोलिखित की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :** 15X3= 45

(क) तस्माद्यज्ञात्सर्वहुत ऋचः सामानि जज्ञिरे ।
छन्दांसि जज्ञिरे तस्माद् युजुस्तस्मादजायत।।

अथवा

अभीवृतं कृशनैर्विश्वरूपं हिरण्यशम्यं यजतो बृहन्तम् ।

आस्थाद्रथं सविता चित्रभानुः कृष्णा रजांसि तविषीं दधानः।।

(ख) अहं सोममाहनसं बिभर्म्यहं त्वष्टारमुत पूषणं भगम् ।
अहं दधामि द्रविणं हविष्मते सुप्राव्ये यजमानाय सुन्वते ।।
अथवा

यः पृथिवीं व्यथमानामवृहद् यः पर्वतान्प्रकुपिताँ अरम्णात् ।
यो अन्तरिक्षं विममे वरीयो यो धामस्तभ्नात्स जनास इन्द्रः ।।

(ग) नासदासीन्नो सदासीत् तदानीं नासीद्रजो नो व्योमा परो यत्।
किमावरीवः कुह कस्य शर्मन्नम्भः किमासीद्गहनं गभीरम् ।।
अथवा

शिक्षा व्याकरण धन्दों निरूक्तं ज्योतिषं तथा ।
कल्पश्चेति षडड्.गनि वेदस्या हुर्मनीषिणः ।।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखिए। 7X5= 35

2. ऋग्वेद के ऋषिमण्डल तथा देवताओं पर प्रकाश डालिए।

3. शांखायन आरण्यक के प्रतिपाद्य विषय को स्पष्ट कीजिए।
4. अरण्यक के रचनाकाल पर प्रकाश डालिए।
5. ऋग्वेदीय शिक्षाग्रन्थों के प्रतिपाद्य विषय पर प्रकाश डालिए।
6. षड्भावविकारों को स्पष्ट कीजिए।
7. वैदिक युग में प्रचलित उद्यागों पर टिप्पणी लिखिए।
8. प्राचीन भारत के शिक्षा के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए। 10X2= 20

9. वैदिककालीन नारी की स्थिति पर प्रकाश डालिए।
10. पुराणों में धर्म की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।
11. सामवेद की विषय वस्तु पर प्रकाश डालिए।